धर्मशाला में कांग्रेस के कारनामे

- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्षद **देवेंद्र सिंह जग्गी** पर नगर निगम की संपत्ति पट्टे पर देने के घोटाले में मामला दर्ज किया गया तब **धर्मशाला नगर निगम** में **भ्रष्टाचार** भी जांच के दायरे में आया। आरोप है कि इस घोटाले से सरकारी खजाने को **₹1.4 करोड़ से अधिक** का नुकसान हुआ है। नगर निगम को किराए के रूप में केवल लगभग **₹18.39 लाख** प्राप्त हुए, जबकि 2006 से 2019 के बीच **संपत्ति को उप-किराए पर देकर कथित तौर पर लगभग ₹1.61 करोड़ कमाए** गए।
- धर्मशाला के निवासियों पर कांग्रेस ने **वित्तीय बोझ** और बढ़ा है क्योंकि कांग्रेस की महापौर **नीनू शर्मा** ने 2025-26 के नगर निगम बजट में **विद्युत उपकर को 10 गुना बढ़ाते हुए, 1 पैसा प्रति यूनिट से बढ़ाकर 10 पैसे प्रति यूनिट करने** का प्रस्ताव रखा है। इससे बढ़ती महंगाई के बीच जनता को राहत देने के बजाय **उच्च कराधान को प्राथमिकता देने** की कांग्रेस नेतृत्व वाले नगर निगम की प्रवृत्ति उजागर हुई है।
- कांग्रेस प्रशासन **2017** में शुरू की गई **धर्मशाला बस स्टैंड परियोजना को कई वर्षों में भी पूरा नहीं कर सका है।** भूमि विवाद, लंबित मुकदमे और विलंबित मंजूरी ने बारंबार घोषणाओं और शिलान्यास समारोहों के बावजूद **प्रशासनिक अक्षमता को उजागर** किया है।
- कांग्रेस के नेतृत्व में, धर्मशाला नगर निगम में **भ्रष्टाचार** और **ठेकेदारों के बीच पक्षपात गतिविधियाँ** चरम पर हैं। आरोप हैं कि एक **"टेंडर माफिया"** केवल **5 से 7 ठेकेदारों के माध्यम से लगभग 80% नागरिक कार्यों** को नियंत्रित कर रहा था। इसके अलावा, **कमीशन आधारित टेंडर आवंटन, प्रति टेंडर लगभग ₹1 लाख** का निश्चित अनौपचारिक भुगतान और सार्वजनिक कार्यों के निष्पादन में गंभीर अनियमितताओं के भी आरोप हैं।
- धर्मशाला में महापौर नीनू शर्मा के कार्यकाल के दौरान **आयुक्त आवास के नवीनीकरण हेतु नगर निगम के धन के कथित दुरुपयोग** पर सवाल उठे हैं, जबकि कई वार्ड अभी भी बदतर नागरिक अवसंरचना और बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं।
- धर्मशाला में **कचरा संग्रहण वाहन निविदा प्रक्रिया में पक्षपात, और पारदर्शिता की कमी** के आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि **कांग्रेस वार्ड 11 के उम्मीदवार अनुराग धीमन** के करीबी सहयोगियों और कर्मचारियों को **अनुचित रूप से ठेके दिए गए हैं।**
- **धर्मशाला की महापौर नीनू शर्मा के आवास से जुड़ी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण** के संबंध में गंभीर सवाल उठे हैं। इस बारे में पद के दुरुपयोग, भूमि नियमों के उल्लंघन और प्रशासनिक प्रभाव के दुरुपयोग की बातें सामने आई हैं।
- **जुलाई 2025** में भूस्खलन में महत्वपूर्ण **गज खड्ड जल आपूर्ति योजना** की मुख्य पाइपलाइन के नष्ट हो जाने के बाद धर्मशाला में पेयजल का गंभीर संकट पैदा हो गया। इससे पर्यटन के चरम मौसम के दौरान शहर का प्राथमिक जल स्रोत **तीन महीने से अधिक समय तक बाधित रहा।** सितंबर के अंत तक भी सुचारू जल बहाली नहीं हुई, जिससे धर्मशाला के जलीय इन्फ्रास्ट्रक्चर की नाजुक स्थिति और मजबूत सार्वजनिक उपयोगिताओं को सुनिश्चित करने में **प्रशासन की विफलता** स्पष्ट उजागर होती है।

धर्मशाला में कांग्रेस के कारनामे

- **2025 के मानसून के दौरान** धर्मशाला में, भूस्खलन, धंसी हुई सड़कें, उफनती नालियां और उखड़ी हुई जल पाइपलाइनों ने **खनियारा, इंद्रुनाग, हीरू, स्लेट गोदाम** और **आसपास के इलाकों** में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। बस सेवाएं निलंबित हो गईं, घर जलमग्न हो गए और रामनगर और शामनगर में जलापूर्ति प्रभावित हुई। अकेले सार्वजनिक परिवहन विभाग और जल शक्ति विभाग को ही ₹6 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ। राज्य सरकार के सक्रिय पूर्व उपायों से जन-धन की इस बड़ी हानि को रोका जा सकता था।
- **10 किलोमीटर लंबी** महत्वपूर्ण **धर्मशाला-मैक्लोडगंज सड़क** की हालत, इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में सरकार की विफलता का प्रतीक है। **बार-बार मानसून से होने वाली क्षति, छावनी क्षेत्र के पास की दरारें** और बढ़ते भूस्खलन के खतरे सरकार की कमजोर योजना और घोर लापरवाही को उजागर करते हैं। **25 से अधिक सक्रिय भूस्खलन क्षेत्रों** की पहचान के बावजूद, कोई प्रभावी दीर्घकालिक उपाय लागू नहीं किए गए हैं। यह **जन सुरक्षा और शासन व्यवस्था के संबंध में गंभीर चिंता का विषय** है।
- धर्मशाला नगर निगम में **लोकतांत्रिक कामकाज लगभग ठप्प हो गया है** क्योंकि महापौर नीनू शर्मा के नेतृत्व में लगभग **दो वर्षों से सदन की बैठकें नहीं हुई** हैं। इससे महत्वपूर्ण नागरिक मुद्दे, विकास संबंधी निर्णय और **जनता की शिकायतें लंबित पड़ी हैं,** साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर भी गंभीर चिंताएं विद्यमान हैं।
- कांग्रेस नियंत्रित धर्मशाला नगर निगम द्वारा स्थानीय निवासियों या मेला समिति से परामर्श लिए बिना **ऐतिहासिक धूमू शाह मेले का प्रबंधन** अपने हाथ में लेने के बाद **वार्ड संख्या 13 (दाड़ी) में भारी असंतोष व्याप्त हो गया।** आरोप लगे कि **मेले से प्राप्त ₹1 करोड़ से अधिक की राशि** वार्ड के विकास में उपयोग नहीं की जा रही है। हर कुछ महीनों में आयोजित होने वाले व्यापार मेलों का भी स्थानीय लोगों ने विरोध किया, क्योंकि उनका कहना था कि इनसे छोटे व्यापारियों और स्थानीय व्यवसायों को नुकसान हो रहा है।
- **देविंदर जग्गी और महापौर नीनू शर्मा के कार्यकाल में मैक्लोडगंज में दलाई लामा मठ** के पास **विकसित वाणिज्यिक परिसर** पर भी सवाल उठ रहे हैं, जहां **21 दुकानों की कीमत लगभग ₹25 लाख प्रति यूनिट** बताई जा रही है, जिससे वे **स्थानीय व्यापारियों के लिए काफी हद तक महंगी** हो गई हैं। इससे यह चिंता बढ़ रही है कि यहाँ सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर आम निवासियों की पहुंच से बाहर होता जा रहा है।
- **वार्ड नंबर 10 (श्याम नगर)** के निवासियों ने **कांग्रेस नेता देवेंद्र सिंह जग्गी की आलोचना** की है, क्योंकि उन पर पहले से ही **संकरी और भीड़भाड़ वाली मुख्य सड़क पर दो पार्किंग स्थलों** पर निजी उपयोग के लिए कब्जा करने का आरोप है। इससे उस क्षेत्र में यातायात की समस्या और बढ़ गई है।
- कांग्रेस मेयर के कार्यकाल में **धर्मशाला में स्वच्छता सेवाओं** की हालत खराब हो गई है। निवासी **बार-बार अनियमित कचरा संग्रहण, कचरा संग्रहण वाहनों और कर्मचारियों के अनियमित आगमन** और खराब अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं के कारण बढ़ती असुविधा की शिकायत कर रहे हैं।